मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक

फरवरी - 2020

वर्ष 8, अंक 5, पृ.सं. 20

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में

आपसी साझेदारी, मेल-जोल एवं मित्रता

तारा संस्थान के अन्तर्गत

आनन्द वृद्धाश्रम

प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान

भूमि हेतु सहयोग करने वाले दानदाताओं के नाम प्लॉट के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएंगे और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जाएगा।

भूमि सेवा "रत्न" 1,00,000 रु.

भूमि सेवा "मनीषी" 51,000 रु.

भूमि सेवा "भूषण" 21,000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य 200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर	02
अनुक्रमणिका	03
लेख : 1 साझेदारी	04
लेख : 2 ''ऑपरेशन का मौसम''	05
तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में आपसी साझेदारी, मेल-जोल एवं मित्रता	06-11
हमारे दानदाता / हार्दिक श्रद्धांजलि	12
तारा नेत्रालय / गौरी योजना	13
तृप्ति योजना / न्यूज ब्रीफ	14-15
विनम्र अपील / नेत्र शिविर सौजन्य	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर / हार्दिक श्रद्धांजलि	17
धन्यवाद / अभिनन्दन	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान
सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

साझेदारी

अमूमन साझेदारी जब होती है तो दो यो अधिक या बहुत से लोग मिलते हैं फिर वो कुछ व्यवसाय करते हैं मकसद होता है इस साझेदारी से कुछ लाभ कमाना। साझेदारी अगर सही हो तो Business में बहुत सा लाभ हो जाता है। लेकिन, यदि एक भी साझेदार सही ना हो तो न सिर्फ Business चौपट हो जाता है वरन साझेदारी टूटने से दोस्ती या रिश्ते तक खत्म हो जाते हैं। हमारे आस–पास या दूर भी ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे।

2011 में एक ऐसी साझेदारी का जन्म हुआ जिसमें बस खुशियाँ मुनाफे में मिल रही हैं और ये मुनाफा ऐसा है जो बढ़ता ही जा रहा है। जी हाँ, मैं बात कर रही हूँ ''तारा'' की। तारा संस्थान में आप, हम और हमारे लाभार्थी सभी साझेदार ही तो हैं और लाभ सभी को है, इस भागीदारी से। आप सभी जो तारांशु के माध्यम से हमारे भावों को पढ़ते हैं, दान देते हैं और जहाँ तक मैं समझता हूँ इस दान के पीछे लोक या परलोक सिद्ध करना तो बहुत ही कम लोगों का मकसद होता है। असल तो वो भावना होती है जो मन में जागृत होती है, उनके लिए, जिन्हें ईश्वर ने उतना समर्थ नहीं बनाया। आप इस भागीदारी की पहली कड़ी हैं क्योंकि यदि आप दान न दें तो ये सारे काम कैसे हों इस भागीदारी के बदले में आप पाते क्या हैं? मुझे लगता है कि ''देने का सुख'' जो है, वही महत्त्वपूर्ण है क्योंकि जीवन के बाद के सुख–दुःख या स्वर्ग–नरक तो मुझे नहीं लगता की कोई जान पाएगा। जितने भी ज्ञानी लोग थे चाहे, किसी भी धर्म के हो, उन्होंने दान की अवधारणा शायद रची ही इसलिए कि उन्हें पता था कि परोपकार में सुख है लेकिन उन्हें यह भी पता था कि मनुष्य को शायद खुद का स्वार्थ बताया जाए तो ही वो परोपकार की राह पर जाएगा। वैसे जो नई पीढ़ी है वो बिना स्वार्थ के परोपकार के पथ पर अग्रसर है तभी तो दुनिया के कई अरबपति जैसे श्री अजीम प्रेमजी (विप्रो कम्पनी के चेयरमैन), श्री वारेन बफे आदि अपनी 90 प्रतिशत से अधिक सम्पत्ति दान कर चुके हैं।

इस भागीदारी की अगली कड़ी में तारा संस्थान है और जब मैं तारा संस्थान की बात करती हूँ तो हम सभी लोग जो इसके रोजमर्रा के काम से जुड़े हैं, वो भी शामिल हैं। हमारे डॉक्टर्स, मैनजमेंट का स्टाफ या फिर चाहे सफाई वाली बाई हों। तारा संस्थान आप लोगों को यकीन दिलाती है कि आप जो दे रहे हैं उसका सदुपयोग होगा। आपके द्वारा प्रदान किए गए धन से ''तारा'' आपके परोपकार के स्वप्न को साकार करती है और ये आपका और हमारा विश्वास का जो रिश्ता है उससे बड़ी कोई साझेदारी हो ही नहीं सकती है। हम हमेशा दिल से यही प्रयास करते हैं कि यह विश्वास बना रहे। इस बात की परवाह किए बिना कि आपने कितना दिया या कितनी बार दिया। हमारी कोशिश ये रहती है कि छोटे–छोटे दानदाताओं का भरोसा भी कभी ना टूटे क्योंकि हम जानते हैं कि दान भावना का विषय है और हर वो भाव महान है जो किसी और के लिए सोचे।

साझेदारी की अगली कड़ी में हमारे लाभार्थी हैं क्योंकि वो सब ना होते तो हम सब क्या करते? वो खुशियों का कारण हैं उन लोगों का जो उनके लिए दान देकर खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं। हमारे सभी लाभार्थी चाहे वो आँखों की ज्योति पा रहे, चाहे वृद्धाश्रम में रह रहे, तृप्ति या गौरी और स्कूल के बच्चे; वो बस सुख बाँट रहे हैं। दानदाता तो संतोष प्राप्त करते ही हैं लेकिन तारा में जो भी काम कर रहे हैं उन सभी लोगों को उन्हें देखकर उनके लिए कुछ करके खुशी ही मिलती है। साथ ही तारा संस्थान के माध्यम से जिन्हें रोजगार मिला है उनका घर भी तो चल रहा है। संस्थान में जो भी काम कर रहे हैं उनमें डॉक्टर्स और कुछ तकनीकी स्टॉफ को छोड़ दें तो बाकी सभी लोग ऐसे हैं जो शायद उतना अच्छा ना कर पाते, खासकर हमारे कॉल सेंटर की बहुत सी महिलाएँ जो सिर्फ इसलिए घर से निकली कि उन्हें जरूरत थी, जिन्दगी की मूल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ पैसों की। उनके पास न कोई डिग्री थी ना अनुभव लेकिन आप जो दे रहे हैं उससे हम उन्हें बहुत ज्यादा तो नहीं लेकिन थोड़ा सा जो मानदेय देते हैं उससे उनके घर चलाने का बोझ थोड़ा कम हो जाता है। एक तरह से आप सीधा लाभ लाभार्थियों को तो दे रहे हैं साथ ही कुछ लोगों को रोजगार भी आप के सहयोग से मिल जाता है।

'साथी हाथ बढ़ाना' वाला जो गाना है वो हम सबकी ''साझेदारी'' को एकदम सही बयान करता है। जब इतने लोग मिलकर कुछ करते हैं तो कोई थकता नहीं और रुकता भी नहीं है।

इस भागीदारी में सबको ''लाभ'' भी बहुत ''शुभ'' होता है।

कल्पना गोयल

"ऑपरेशन का मौसम"

आप भी सोचते होंगे कि ये कैसा मौसम है लेकिन आँखों के अस्पतालों में सर्दियों का मौसम ''ऑपरेशन का मौसम'' भी होता है। ये जो हमारा देश है ना इसमें धाराणाओं पर बहुत सी चीजें चलती हैं और मोतियाबिन्द का ऑपरेशन सर्दियों में कराना है ये धारणा सालों साल से चली आ रही है। पहले ये बात Logical थी कि सर्दियों में आँख में Infection का खतरा कम होता था और पसीना भी नहीं होता था तो Recovery अच्छी होती थी लेकिन समय के साथ तकनीक बदली और अब एक छोटे से चीरे से ऑपरेशन (फेको पद्धति से) हो जाता है और Infection का खतरा भी बहुत कम होता है।

लेकिन नहीं, साहब गाँवों से हमारे लोग तो सर्दियों का ही इंतजार करते हैं और तभी आते हैं ऑपरेशन कराने और इन दिनों मोटे–मोटे शॉल या कम्बल में लिपटे रोगियों का रेला सा लगा रहता है। हॉस्पीटलों में,तारा नेत्रालय, उदयपुर में तो दो बार इन कपड़ों में कहीं दबा छुपा मच्छर ऑपरेशन थिएटर में घुस गया तो फिर कुछ दिनों ऑपरेशन रोक कर उसे अच्छे से फ्यूमीगेट करना पड़ा। कैम्पों में हमारी टीमें जाकर उन्हें समझाती है कि आज के जमाने में मौसम सर्द हो या गर्म ऑपरेशन कभी भी करवा सकते हैं। लेकिन, परम्पराओं को तोड़ने में हम थोड़े कच्चे हैं। कुछ लोगों का मोतियाबिन्द तो सर्दियों के इंतजार में इतना पक जाता है कि काले पानी में बदल जाए लेकिन उन्होंने तो बस सुन रखा होता है कि ऑपरेशन तो सर्दी में ही कराना है तो बस सर्दी में ही होगा।

शहर के लोग तो थोड़े सयाने हो गए हैं वो अब देखते हैं कि सर्दियों में भीड़ भाड़ ज्यादा है तो वो गर्मियों में ही ऑपरेशन करवा लेते हैं शायद उन्हें लगता हो कि जब भीड़ कम होगी तो डॉक्टर भी ऑपरेशन तसल्ली से करेगा। जैसे हलवाई की दुकान पर भीड़ कम हो तो जलेबी पतली और करारी मिलती है। लेकिन डॉक्टर को पृथ्वी पर ईश्वर का दूसरा स्वरूप इसलिए कहते हैं कि वो तो बस आँख बचाने का काम करते हैं और भीड़ कम हो या ज्यादा वो बस ये ही सोचते हैं कि रोगी को अच्छे–से–अच्छा दिखे।

सर्दियों में सभी तारा नेत्रालयों में भीड़ बढ़ती है तो Waiting तक देनी पड़ जाती है यानी की ऑपरेशन के लिए कतार। अचरज ना करें तारा नेत्रालय, उदयपुर में तो 3 महीने तक की कतार हो जाती है यानी कि कोई Emergency ना हो तो आपने जिस दिन दिखाया उसके तीन महीने बाद ऑपरेशन होगा। इन दिनों कैम्प भी ज्यादा होते हैं तो वो रोगी भी खूब आते हैं।

आप लोग सोच रहे होंगे कि फिर संस्थान कुछ करती क्यों नहीं और आपको सोचना वाजिब भी है क्योंकि जब आप हमें Support कर रहें तो हम लोगों को क्यों इंतजार करवाएँ? हम कोशिश करते हैं कि रविवार को भी ऑपरेशन होवें। डॉक्टर साहब को Extra बुलाकर भी ऑपरेशन करावें और हमारे डॉक्टर साहब यदि व्यस्त होवें तो अतिरिक्त डॉक्टर साहब बाहर से बुलवा कर Waiting कम करावें। हमारी जिम्मेदारी रोगियों के लिए सर्वाधिक है, उन्हें अच्छा इलाज समय पर उपलब्ध होवे और हाँ शुल्क तो आप दे रहे हैं तो उनके लिए निःशुल्क होवें।

हमारे सारे डॉक्टर साहेबान, ऑप्टोमैट्रिस्ट, नर्सिंग स्टॉफ और हॉस्पीटल मैनेजमेंट को साधुवाद है कि इतनी भीड़ में रोगियों की परेशानी को हँसते मुस्कराते कम करते जा रहे हैं, बिना माथे पर बल लाए।

शायद सेवा का प्रताप ही ऐसा है कि काम, काम ही नहीं लगता है बस एक मौज सी होती है या शायद कुछ नशा सा।

सादर...

दीपेश मित्तल

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में आपसी साझेदारी, मेल-जोल एवं मित्रता - 1

चूंकि वृद्धाश्रमों में अधिकतर बुजुर्ग ऐसी परिस्थितियों से आते हैं जिनमें या तो उनका कोई सहारा नहीं है या घर परिवार से उपेक्षित अथवा तिरस्कृत हैं। उम्र के आखिरी पड़ाव पर ये वृद्धजन एकाकी और दर्दभरा जीवन व्यतीत करने को मजबूर हैं। विभिन्न प्रांतों व पृष्ठ भूमि से आने वाले ये वृद्ध आनन्द वृद्धाश्रमों (उदयपुर, फरीदाबाद व प्रयागराज) में प्रवेश लेकर सुखपूर्वक जी रहे हैं। वृद्धाश्रम में प्रवेश लेने के बाद वहाँ हमउम्र के अनेक लोगों से मेल–जोल होता है। हालांकि उस उम्र में आपस में मित्रता की तुरंत संभावना नहीं होती है लेकिन जब कभी कोई ऐसा समय आता है जहाँ आपसी सहयोग की आवश्यकता पड़ती। उदाहरण के लिए किसी साथी को तुरंत अस्पताल पहुँचाते समय अटेंनडेंट की तरह साथ रहना अथवा निर्बल साथी के लिए बाजार से कुछ सामान लाना।

दीपावली उत्सव के दौरान एकत्रित वृद्धाश्रमवासी महिलाएँ

एक वृद्धा अन्य लोगों को स्पेशल डिश परोसते हुए

अपकारी पर उपकार करना सीखो तो सत्कार मिलेगा।

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में आपसी साझेदारी, मेल-जोल एवं मित्रता - 2

इसी प्रकार किसी निशक्तजन जो कि बिस्तर से उठ ही नहीं पाता उसकी दैनिक क्रियाओं में मदद करना एवं किचन से भोजन लाकर खिलाना आदि। इस प्रकार के मेल–जोल, सहयोग अथवा साझेदारी के प्रयास से न सिर्फ बुजुर्गों का एकाकीपन दूर होता है बल्कि आपसी निकटता भी बढ़ती है तथा वृद्धजन सक्रिय रह कर स्वस्थ भी रहते हैं। कुछ वृद्ध नियमित रूप से अन्य लोगों को भोजन परोसने के बाद ही स्वयं खाते हैं। इसी प्रकार कुछ महिलाएँ रसोई घर में सहयोग करती हैं अथवा अन्य के लिए कपड़े मरम्मत करने का कार्य स्वेच्छा से करती हैं। एक बुजुर्ग दानदाता श्री नागेश्वर जी तो बकायदा सिलाई मशीन लगातार चला कर अन्य लोगों जरूरत अनुसार कपड़े सिल भी देते हैं। इसी प्रकार कुछ अन्य बुजुर्ग स्टोर रूम में हाथ बंटा देते हैं या लॉन को व्यवस्थित कर देते हैं। अन्य लोग वृद्धाश्रम की सफाई में मदद कर देते हैं।

भोजन की तैयारी में सहयोग : (बाएं) सब्जियाँ काटते हुए एवं (दाएं) किचन में मदद

एक आवासी स्टोर रूम में व्यवस्था संभालती हुई

दानदाता श्री नागेश्वर जी मुफ्त में अन्य लोगों के कपड़े मिलते हुए

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में आपसी साझेदारी, मेल-जोल एवं मित्रता - 3

तीज त्योहार के अवसर पर बुजुर्ग, विशेषकर महिलाएँ सजावट व श्रृंगार आदि के कार्य में रम जाती हैं तो कुछ मिठाई बनाने में सहयोग करती हैं। इस प्रकार के मेल–जोल से निष्क्रियता का त्याग कर लोग निकट आते हैं एवं यही साझेदारी उनको धीरे–धीरे मित्रता का रूप ले लेती है। इस प्रकार की साझेदारी से मेल–जोल एवं मेल–जोल से मित्रता वृद्धजनों एकाकी रहित सक्रिय दैनिक क्रियाकलाप में व्यस्त रख कर एक स्वस्थ जीवन शैली को जन्म देती है।

फुर्सत के क्षणों में हंसी-मजाक करती कुछ सहेलियाँ

कुछ वरिष्ठ आवासी ताश के खेल में व्यस्त

यह संसार हार-जीत का खेल है, इसे नाटक समझकर खेलो।

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में आपसी साझेदारी, मेल-जोल एवं मित्रता - 4

इस प्रकार की गतिविधियाँ वृद्धजनों के लिए अति आवश्यक है अन्यथा वे लोग निष्क्रिय एवं एकाकी होकर जल्द बीमार पड़ सकते हैं। अन्य प्रकार की साझेदारी जैसे घूमने फिरने अथवा दर्शनीय स्थलों व मंदिरों के तीर्थाटन में कोई बुजुर्ग एक टीम लीडर का रोल अदा करके एक प्रकार का मुखिया सा बन कर अन्य की अगुवाई करता है।

एक नि:शक्त आवासी को बिस्तर पर भोजन देते हुए वृद्ध श्री कालूलाल जी

साड़ियों की मरम्मत आदि में व्यस्त आश्रमवासी महिलाएँ

दो मित्र हाउजी खेल खेलते हुए

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में आपसी साझेदारी, मेल-जोल एवं मित्रता - 5

जब कभी वृद्धाश्रम वासी आपस में छोटी मोटी बात कर उलझ जाएँ तो यही मुखिया सुलह करवाने में सबसे आगे रहता है। अतएवं यही साझेदारी, मेल–जोल एवं मित्रता एक अति आवश्यक सम्बन्ध है जो वृद्धाश्रमवासियों को एक सूत्र में बाँधें रखने का कार्य करता है। तारा संस्थान का प्रयास रहा है कि हमारे अन्तर्गत संचालित समस्त वृद्धाश्रमों (उदयपुर, फरीदाबाद व प्रयागराज) के निवासी सौहार्दपूर्ण सहयोगी व मैत्री भाव के साथ रहते हुए अपने जीवन की संध्याकाल को सुमधुर बनाए रखें।

हिलमिल कर भजन-कीर्तन में मस्त कुछ वरिष्ठ नागरिक

वृद्धों का एक समूह भम्रण पर

भगवान की याद ही पाप कर्मों से बचाने वाली है।

आगंतुकों से मेल-जोल बढ़ाते कुछ वृद्धजन

कुछ बच्चियों को बुनाई सिखाती श्रीमती मेहरा

भोजन परोसती एक छात्रा

एक अन्य बालिका वृद्धजन को मोबाइल चलाना सिखाते हुए

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति 3500 रु. (एक समय)
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	

वृद्धावासियों को समर्पित : "व्यस्त रहें औ' मस्त रहे"

घर से दूर आप हुए हैं, पर जग से हैं दूर नहीं।
मान–सम्मान नहीं मिला, यह किस्मत का कसूर नहीं।

मूर्ख, स्वार्थी, अभिमानी, इसे जग में हैं भरे हुए।
इन दुर्गुणों को लेकर ही, स्वजन आपके बड़े हुए।

नहीं समझते जिम्मेदारी, न धर्म–कर्म की है पहचान,
ऐसे स्वजनों के रिश्तों में, होता कहाँ है आदर–मान?

नहीं जानते नाते–रिश्ते, ना ही करते जो सम्मान,
आप उन्हें क्यों अपना समझे, जो अकारण करते अपमान?

दुखी न हों, न कभी उदास, ऐसे इन अपनों के लिए।
जिन्हें नहीं ख्याल जरा भी, माता–पिता, स्वजनों के लिए।

घुट–घुट कर जीने मरने से, है लाख भला अलग रहना।
बंधे बन्धनों में रहने से भला परायों संग जीना।

स्वार्थी स्वजनों से आप, भला हुआ जो दूर हुए।
पराधीनता में जीने से, क्या भला नहीं जो मुक्त हुए?

खाएँ–पिये मस्त रहें अब, स्वस्थ रहें, अलमस्त रहें।
साथी–संगियों संग मजे में, गपशप में खूब व्यस्त रहें।

– डॉ. माधुरी नाथ, राँची (झारखण्ड)

हमारे दानदाता :

श्री केदार मल जी केडिया

श्री केदार मल जी केडिया निवासी केडगाँव, जिला झुन्झुनू के हैं। 1955 से हैदराबाद में निवासरत हैं जहाँ इनके आपके ऑयल एवं दाल की मील है। आपके 4 बेटे 2 बेटियाँ है। बिजनेस आपके बेटे सम्भालते हैं। श्री केडिया प्रति दो माह में सहयोग करते रहते हैं। आप तारा संस्थान से लगभग 7 वर्षों से जुड़े हुए हैं एवं 25 वर्षों से नारायण सेवा से जुड़े हैं। आप हमेशा समाज सेवा में तत्पर रहते हैं। तारा परिवार की ओर से एवं आपके द्वारा दिये गये दान से लाभार्थी बुजुर्गों की शुभकामनाएँ आपको प्रेषित है।

स्व. श्रीमती लीलावंती - स्व. श्री हरवंश लाल दुआ

श्रीमान् सुभाष चंद जी दुआ जालंधर (पंजाब) के मूल निवासी हैं। आपश्री संस्थान परिवार से विगत 5 वर्षों से जुड़े हुए हैं। अभी वर्तमान में आपने इसी सेवा कार्य को निरंतर जारी रखा है। अभी आपश्री ने अपने माता–पिता स्व. श्रीमती लीलावंती दुआ – स्व. श्री हरवंश लाल दुआ, जालंधर की पावन स्मृति में लोनी गाजियाबाद हॉस्पिटल हेतु एक Non-Contact Tonometer मशीन की सहायता प्रदान की है। यह मशीन आँख के अंदरूनी तरल पदार्थ के दबाव की जाँच में उपयोगी है जिससे कालापानी बीमारी का पता चलता है (बिना आँख को स्पर्श किये) इस सहयोग के लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

हार्दिक श्रद्धांजलि

श्री डी.एल. गुप्ता तारा संस्थान से प्रारम्भ से ही जुड़े रहे एवं संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते रहते थे। साथ ही समय–समय पर अपना आर्थिक देते रहते थे और अन्य लोगों को भी संस्थान से जुड़ने हेतु प्रेरित करते रहते थे। एस. बी.आई. में डिप्टी जनरल मैनेजर के पद से रिटायर होने पश्चात् 20 वर्षों से समाज सेवा के कार्यों से जुड़े हुए थे। गत वर्ष उनका स्वर्गवास हो गया। 5 जनवरी को उनकी प्रथम पुण्यतिथि इस अवसर पर उनके सुपुत्र ने भी सहयोग राशि भेजकर पिताजी के बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

स्व. श्री डी.एल. गुप्ता, भोपाल (म.प्र.)

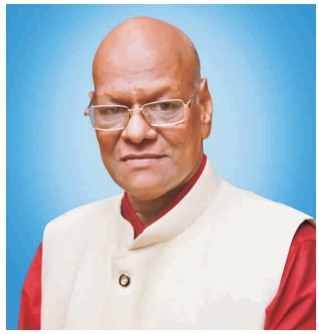

स्व. श्री नरेश चन्द साधुराम जैन, सूरत (गुज.)
जन्म.ता. 20/10/1954 स्व.ता. 03/01/2020

इच्छायें रखने वाला कभी अच्छा कर्म नहीं कर सकता है।

तारा नेत्रालय :

13 वर्षीय बालक के मोतियाबिन्द का सफल ऑपरेशन

वैसे तो मोतियाबिन्द बढ़ती उम्र में होता है, यह चोट लगना, डाइबिटिज, अथवा अधिक मात्रा में स्टेरॉयड ड्रोप्स डालना आदि कारणों से होता है। लेकिन, कई बार बच्चों में भी मोतियाबिन्द की बीमारी पाई जाती है। उसका कारण या तो गर्भ में बच्चे की माँ को कोई इन्फेक्शन होना, अथवा बढ़ते बच्चे को आँख में चोट लगना होता है। मोतियाबिन्द धीरे–धीरे बढ़ता है और आँखों की रोशनी कम होते होते एकदम दिखना बन्द शुरू हो जाता है जिसका एकमात्र उपाय ऑपरेशन कर मोतियाबिन्द हटाकर नया कृत्रिम लेंस फिट किया जाना है। 13 वर्षीय जोधपुर निवासी पूनम सिंह पाँचवीं कक्षा का छात्र है। वह दृग्ध व्यवसायी मध्यमवर्गीय परिवार से है। एक आधे महीने पहले जब वह स्कूल में खेल रहा था तो एक आँख में लकड़ी से चोट लग गई और कुछ हफ्तों बाद दिखना बन्द हो गया। चिंतित परिवार को स्थानीय डॉक्टर ने मोतियाबिन्द ऑपरेशन की सलाह दी परन्तु चूंकि यह मध्यमवर्गीय परिवार उसका खर्चा नहीं उठा सकता था तो तुरंत स्थानीय इलाज नहीं करवा सका फिर एक परिचित ने तारा नेत्रालय, उदयपुर जाने की सलाह दी। यहाँ पर चेकअप के बाद उसे भर्ती कर मोतियाबिन्द का सफल ऑपरेशन कर दिया गया। परिवार तारा संस्थान का आभारी है कि बच्चे की आँख बचाकर डॉक्टरों ने उसका जीवन अंधकारमय होने से बचा दिया। वे धन्यवाद अर्पित करती हैं।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन 51000 रु.	09 ऑपरेशन 27000 रु.	06 ऑपरेशन 18000 रु.	03 ऑपरेशन 9000 रु.	01 ऑपरेशन 3000 रु.

गौरी योजना :

इस मदद के बिना मुझ अकेली द्वारा यह सब काम नहीं हो पाता

लगभग मात्र 28 वर्षीया चम्पा गमेती के मजदूर पति की कोई 2 वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। तब से चम्पा अपने 3 छोटे–छोटे बच्चों को साथ लेकर पीहर चली आई। पीहर में माँ–बाप, भाई–भाभी आदि हैं। मगर चम्पा को अपना सारा खर्चा स्वयं काम करके निकालना पड़ता है। घरों में झाड़ू–पौंछा लगाकर वह बमुश्किल 2500–3000 रुपये ही कमा पाती है। इस जमाने में इतने से रुपये से क्या होता है? स्वयं व 3 बच्चों का खाना–खर्चा शिक्षा आदि काफी मुश्किल से हो पाता है तो 10वीं पास चम्पा स्वयं भी काम के साथ–साथ पढ़ाई भी कर रही है ताकि भविष्य में कोई बेहतर जॉब पा सके। लेकिन अभी क्या करें? पति जीवित होते तो कुछ समस्या नहीं होती। भावुक होकर चम्पा कहती है कि बच्चे पिता के बारे में पूछते हैं और कहते हैं कि स्कूल में कई बच्चों के पिता उन्हें घर ले जाने आते हैं, काश उनके पापा भी जीवित होते तो उन्हें भी ऐसी खुशी मिल पाती। चम्पा किस्मत की दुहाई देकर मन मसोस कर रह जाती है फिर बच्चों को पढ़ा–लिखा कर कुछ बनाने की दृढ़ इच्छा कर अपने काम व पढ़ाई में लग जाती है। स्थिति की जानकारी तारा संस्थान के पास सिर्फ पहुँचने पर संस्था ने तुरंत उसके तीनों बच्चों को शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर में पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा हेतु भर्ती करवा दिया। उन्हें न शिक्षा मुफ्त है बल्कि यूनिफार्म और समस्त स्टेशनरी आइटम भी फ्री में दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान ने चम्पा को भी गौरी योजना के अन्तर्गत 1000 रु. मासिक पेंशन देना आरम्भ कर दिया। चम्पा अब काफी कुछ राहत महसूस कर रही है। बच्चों की पढ़ाई का भार उतर गया और केश मदद कभी आपातकाल अथवा बच्चों की दवाई में काम आती है। श्रीमती चम्पा गमेती तारा संस्थान की इतनी बड़ी मदद से अभिभूत है एवं दानदाताओं की अति आभारी है एवं कहती है कि इस मदद के बिना उस अकेली द्वारा यह सब काम नहीं हो पाता।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता) 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

अनेक गरीबों का आशीर्वाद संस्थान के दानदाताओं को मिलता रहे

40 वर्षीया देवू कुंवर पहले अहमदाबाद में अपने रसोइए पति के साथ खुशहाल जीवन बीता रही थी कि एक दिन पति की अचानक हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। देवू की सुन्दर सी दुनिया एकदम धराशाई हो गई। सो 6 वर्ष पहले अपने छोटे 3 बेटियों व 1 बेटी को लेकर यहाँ अपने गाँव आ गई। 2 बेटियों की तो जैसे–तैसे शादी करवा दी पर 1 बेटी और बेटे का भार अभी भी देवू कुंवर के सिर पर है। पति की मृत्यु के बाद ससुराल वाले कभी पूछते तक नहीं है, मदद करना तो दूर की बात है। बेटे–बेटी की शिक्षा, कपड़े लते और खाना–पीना और न जाने कौन–कौन से खर्च आते रहते हैं। अब अकेली देवू कहाँ से यह सब वहन करें। सिर्फ 500 रु. विधवा पेंशन मिलती है उससे क्या होता है? सो देवू कुंवर गाँव में चारा काटना घरेलू कार्य, गेहूँ सफाई आदि का कार्य करके जैसे–तैसे गुजारा कर रही थी। कभी–कभार कोई रिश्तेदार 100–200 रु. दे जाते हैं जिससे कुछ मदद हो जाती है लेकिन वो भी पर्याप्त नहीं है। तारा संस्थान की तृप्ति योजना के अन्तर्गत मासिक राशन व 300 रु. नकद की मदद से देवू कुंवर को काफी राहत मिली है। वह कहती है कि तारा संस्थान की बदौलत उसका परिवार दो जून का खाना तो खा पा रहा है। वह और उनके जैसे अनेक गरीबों का आशीर्वाद संस्थान के दानदाताओं को मिलता रहे, धन्यवाद।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

न्यूज ब्रीफ : 1

01.12.2019

स्नेह मिलन – सम्मान समारोह, अम्बाला केन्ट (हरि.)

05.01.2020

हमारी दानदाता माताजी श्रीमती प्रेम निझावन, समाजसेवी, दिल्ली के सौजन्य से 5 जनवरी, 2020 को उनके पति स्व. श्री के.सी. निझावन के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में निःशुल्क नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद ऑपरेशन चयन शिविर का आयोजन, नांगलोई, दिल्ली में करवाया गया साथ ही वृद्धाश्रम आवासियों को उदयपुर में दोनों समय का भोजन महाप्रसाद की सेवा दी है।

06.01.2020

6 जनवरी, 2020 को प्रयागराज की दानदाता श्रीमती वर्षा जी ने अपना जन्म दिवस रवीन्द्र नाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम प्रयागराज, आवासियों के साथ मनाया एवं उन्हें को भोजन करवाया।

12.01.2020

तारा संस्थान उदयपुर (राज.) द्वारा 12 जनवरी 2020 को होटल ताज महल, हैदराबाद में स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

14.01.2020

मकर संक्रांति के उत्सव पर खेलकूद में मशगूल तारा परिवार

26.01.2020

झुग्गी झोपड़ी के बच्चों हेतु शिक्षा
सहयोग प्रति बालक रु. 12000/- प्रतिवर्ष

71वें गणतंत्र दिवस पर मस्ती की पाठशाला (बाएं) व
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर (दाएं) के बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुतियाँ के कुछ दृश्य।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

OPHTHALMIC GREEN LASER SYSTEM

आँख में पर्दे में के रोगों में (विशेषकर Diabetic Retinopathy) में रेटीना का लेजर से उपचार करने में उपयोग की जाती है।

रु. 14,00,000/- (चौदह लाख रु.)

नेत्र शिविर सौजन्य मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

प्रिंटेड रसीद छोड़े, वृक्ष बचाएँ

इस धरा के एक जिम्मेदार वासी होने के कारण हम सभी का उत्तरदायित्व है कि पर्यावरण रक्षा हेतु प्रयत्न करें। यदि आपको रसीद की प्रिंट नहीं चाहिए तो कृपया इस नम्बर 9549399993, 9649399993 पर सूचित करें। एक कागज बचाने से भी हम कुछ वृक्षों को बचा ही सकते हैं। आपका और हमारा छोटा सा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगा।

अपने मोबाइल से स्केन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

UPI
UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जनवरी – 2020 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती जतन देवी बोथरा एवं श्रीमती रिंकू कुमारी बोथरा – सिल्चर (असम), विदुला प्रभाकर कुलकर्णी – भुसावल (महा.), डॉ. कमल कुमारी जैन, श्री सलेख चन्द जैन (कवाल वाले) – मुजफ्फ नगर (उ.प्र.)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्रीमती प्रेम जी निझावन – जनकपुरी (नई दिल्ली 58), टी.आर.आई. न्यूट्रिएंट्स प्रा.लि. – दिल्ली, नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस – दिल्ली, श्रीमती कविता धर्मपत्नी श्री राजेश वर्मा – नई दिल्ली, माँ वैष्णो देवी माता – दिल्ली, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली राजधानी – दिल्ली, वर्धमान प्लाजा – दिल्ली, श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, गोल्डन स्टा फाउण्डेशन – मुम्बई, श्री चन्द्रप्रकाश रामनाथ – मुम्बई, श्री कमलेश मानकानी – मुम्बई, श्री मोहन सिंह रघुवीर सिंह राजपूत – बोरीवली (ई.), श्री अयोध्या नाथ चतुर्वेदी – मुम्बई, श्री रंगलाल महेश कुमार एवं श्री शांति लाल – नाथद्वारा (राज.)

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 24 शिविर (देशभर में)

Thanks :

NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Mr. B.K. Puri - Mrs. Kanta Puri
Ludhiana (PB)

Mr. Devi Prasad - Mrs. Sulochna Devi Sharma
Howrah (West Bengal)

Dr. Chandra Shekhar Prasad &
Mrs. Rajmuni Devi, Aurangabad (Bihar)

Lt. Mrs. Jamunawati - Lt. Mr. Ratan Lal Taksali
Jaipur (Raj.)

Mrs. Mamta - Mr. Rajendra Taksali
Jaipur (Raj.)

Mr. Lekhraj - Mrs. Savita Chaudhary
& Family, Patiala (PB)

Mr. Gopal Krishan - Mrs. Sarishta Gupta
Pathankot (PB)

Mr. Rohit Bhai Vasani
Rajkot (Guj.)

Lt. Mr. Amarnath Mahajan and
Lt. Mrs. Vaishno Devi, Pathankot (PB)

Mr. Narayan Kumar - Mrs. Madhu Sharma
Raipur (CG)

Mrs. Nirmala Tiwari - Mr. S.B. Tiwari
Dwarka, New Delhi

Mr. Surendra Prakash - Mrs. Kusum Gupta
Bikaner (Raj.)

Mr. Brahm Swaroop - Mrs. Kanak Lata Saxena
Bikaner (Raj.)

Mr. Kuradaram- Mrs. Munni Devi
Churu (Raj.)

Mr. Pritam Singh Bhardwaj - Mrs. Urmila Sharma
Panchkula (HR)

Mr. Jhumar Lal Jain - Mrs. Sushila Jain
Kandivali (E), Mumbai

Mr. Kiran Dashora
Udaipur (Raj.)

Mrs. Sunita Ji
Patiala (PB)

Mrs. Chameli Devi Chunar
Mirzapur (UP)

Yuvaan Sharma
Banglore

Lt. Mr. Jagdish
Chavchariya
Hyderabad

Lt. Mr. Chiranji Lal
Chavchariya
Hyderabad

Mr. Vipan Kumar Bansal
Ambala Cantt (HR)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

सुश्री मितलेश, श्री पीयुष शर्मा एवं पारुल शर्मा
यू.एस.ए.

श्री शंकर लाल अग्रवाल
दुर्ग, भिलाई (छ.ग.)

श्री एवं श्रीमती शारदा जी रोडा
हैदराबाद

श्रीमती वीना बालासरिया उसके परिवार के साथ
हैदराबाद

श्री केदार मल अग्रवाल
उसके पुत्र के साथ, हैदराबाद

श्री राजेश कुमार अग्रवाल
भिलाई (छ.ग.)

श्री उपेन्द्र जैन
रायपुर (छ.ग.)

श्री गगन अग्रवाल
आगरा (उ.प्र.)

श्री हरिश मेहता
दिल्ली

श्री लक्ष्मण सिंह राठौड़
डूंगरपुर (राज.)

श्री विजय अग्रवाल
रायपुर (छ.ग.)

श्रीमती चन्द्रकला
छावछरिया, हैदराबाद

श्री प्रवीण अग्रवाल
हैदराबाद

सत्य बोलो, मधुर बोलो, कम बोलो और स्वमान से बोलो।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . . A/c No. 004501021965 . . . . . IFSC Code : icic0000045
State Bank of India . . . . . A/c No. 31840870750 . . . . . IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank . . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . . A/c No. 912010025408491 . . . IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank . . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank . . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India . . . A/c No. 3309973967. . . . . IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank . . A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300
Yes Bank . . . . . A/c No. 065194600000284 . . . IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Tara Netralaya - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. +91 9649399993

Tara Netralaya - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. No. +91 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl.
Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post,
Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D,
N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. +91 7821855750

Tara Netralaya - Ratlam
Smt. Vimla Mukhija Charitable Netra &
General Clinic, Vimal Niwas, Street No. 1,
Near Ujala Palace Hotel, Station Road,
Ratlam (M.P.) 457001,
Mob. No. +91 7821855745

Smt. Krishna Sharma Anand Vrudhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai
Show Room, South Extension, Balicha,
Udaipur (Raj.) - 313001

Ravindra Nath Gaur Anand Vrudhashram - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad-
211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

Om Deep Anand Vrudhashram - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007
(Haryana) Mob. No. +91 7821855758

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, फरवरी - 2020
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	मित्ति
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	3500 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	(एक समय)

मस्ती की पाठशाला : झुग्गी झोपड़ी के बच्चों हेतु शिक्षा सहयोग प्रति बालक रु. 12000/- प्रतिवर्ष

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे

'आस्था भजन' प्रातः 8:40 से 9:00 बजे

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org

बुक पोस्ट